

‘सागर उर्लन्छ सगरमाथा छुन’ उपन्यासमा प्रयुक्त

परिवेश

त्रिभुवन विश्वविद्यालय, मानविकी तथा सामाजिक शास्त्र

सङ्काय रत्नराज्यलक्ष्मी क्याम्पस, नेपाली शिक्षण

समिति स्नातकोत्तर तह द्वितीय वर्षको

दसौं पत्रको प्रयोजनका लागि

प्रस्तुत

शोधपत्र

शोधार्थी

मुना बस्नेत

रत्नराज्यलक्ष्मी क्याम्पस

प्रदर्शनी मार्ग, काठमाडौं

२०६७

निर्देशकको सिफारिस

त्रिभुवन विश्वविद्यालय, मानविकी तथा सामाजिक शास्त्र सङ्कायअन्तर्गत रत्नराज्यलक्ष्मी क्याम्पस नेपाली विषयकी छात्रा मुना बस्नेतले स्नातकोत्तर तह द्वितीय वर्षको दसौँ पत्रका लागि 'सागर उर्लन्छ सगरमाथा छुन' उपन्यासमा प्रयुक्त परिवेश शीर्षकको प्रस्तुत शोधपत्र मेरा निर्देशनमा तयार पार्नुभएको हो । निजले परिश्रम र लगनशीलतापूर्वक गरेको यस शोधकार्यबाट म सन्तुष्ट छु । यस शोधपत्रको मूल्याङ्कनका लागि रत्नराज्यलक्ष्मी क्याम्पस, नेपाली शिक्षण समितिसमक्ष सिफारिस गर्दछु ।

मिति २०६७।०५।२४

.....

(हेमनाथ पौडेल)

सहप्राध्यापक

रत्नराज्यलक्ष्मी क्याम्पस

प्रदर्शनी मार्ग, काठमाडौँ

त्रिभुवन विश्वविद्यालय

रत्नराज्यलक्ष्मी क्याम्पस

प्रदर्शनीमार्ग, काठमाडौं

मिति: २०६७.....।

स्वीकृतिपत्र

त्रिभुवन विश्वविद्यालय, मानविकी तथा सामाजिक शास्त्र सङ्कायअन्तर्गत रत्नराज्यलक्ष्मी क्याम्पसकी छात्रा मुना बस्नेतले स्नातकोत्तर तह (एम.ए.) नेपाली विषयको दसौं पत्रको प्रयोजनका लागि प्रस्तुत गर्नुभएको 'सागर उर्लन्छ सगरमाथा छुन' उपन्यासमा प्रयुक्त परिवेश शीर्षकको शोधपत्र स्वीकृत गरिएको छ ।

.....
(हेमनाथ पौडेल)

सहप्राध्यापक

शोधनिर्देशक

.....
(नेत्र एटम)

उपप्राध्यापक

बाह्य परीक्षक

.....
(तुलसीमान श्रेष्ठ)

सहप्राध्यापक

विभागीय प्रमुख

कृतज्ञताज्ञापन

उपन्यासकार रमेश विकलको 'सागर उर्लन्छ सगरमाथा छुन'

उपन्यासमा प्रयुक्त परिवेश शीर्षकको प्रस्तुत शोधपत्र त्रिभुवन विश्वविद्यालय स्नातकोत्तर तह दसौं पत्रको प्रयोजनार्थ मैलै श्रद्धेय गुरु श्री हेमनाथ पौडेलको निर्देशनमा तयार पारेकी हुँ। शोधको विषय छनोटदेखि आवश्यक सामग्रीको जानकारी र कुशल मार्गनिर्देशन गर्नुहुने आदरणीय गुरु हेमनाथ पौडेलप्रति हार्दिक कृतज्ञता प्रकट गर्दछु।

प्रस्तुत विषयमा शोधशीर्षक र शोधप्रस्ताव स्वीकृत गरी लेखनकार्यमा समेत सहयोग गर्नुहुने रत्नराज्यलक्ष्मी क्याम्पस नेपाली शिक्षण समितिका विभागीय प्रमुख श्री तुलसीमान श्रेष्ठप्रति कृतज्ञताज्ञापन गर्न चाहन्छु। यसैगरी प्रस्तुत शोधपत्र तयारीका क्रममा आवश्यक सल्लाह र सुझाव प्रदान गर्नुहुने रत्नराज्यलक्ष्मी क्याम्पस स्नातकोत्तर तह नेपाली शिक्षण समितिका सम्पूर्ण आदरणीय गुरुहरूप्रति पनि म आभार प्रकट गर्दछु।

समय सापेक्ष शिक्षाको महत्त्वलाई बुझी मेरो सदा प्रगति, सफलता र उज्ज्वल भविष्यको कामना गर्दै मलाई शिक्षाको यो स्तरसम्म ल्याइपुऱ्याउनुहुने पिता नरेन्द्रबहादुर बस्नेत र माता शोभालक्ष्मी बस्नेतप्रति सदा ऋणी छु। साथै उच्च शिक्षा अध्ययन गर्न प्रेरणा दिइरहनुहुने श्री सन्तवीर लामाप्रति समेत म आभार प्रकट गर्न चाहन्छु र अध्ययनका क्रमदेखिकै मेरा मित्र युवराज बरालले सामग्री सङ्कलनमा सहयोग पुऱ्याउनु भएकोले उहाँलाई हार्दिक धन्यवाद दिन चाहन्छु।

यस शोधपत्रलाई तयार पार्दा आवश्यक पुस्तकहरू र विभिन्न पत्रपत्रिकाहरू उपलब्ध गराइदिने त्रि.वि. केन्द्रीय पुस्तकालय र रत्नराज्यलक्ष्मी क्याम्पस पुस्तकालयप्रति हार्दिक आभार प्रकट गर्दछु। साथै यस शोधपत्रको पाण्डुलिपिलाई सुसाङ्ख्यको माध्यमबाट छिटो-छरितो रूपमा स्पष्ट र सहज ढङ्गमा टङ्कण गर्न सहयोग गर्नुहुने एक्स्ट्रा प्रिन्ट आउट प्रा.लि., डिल्लीबजारका यदुकुमारलाई पनि विशेष धन्यवाद दिन चाहन्छु।

अन्त्यमा सबै सहयोगीप्रति आभार व्यक्त गर्दै समुचित मूल्याङ्कनका लागि त्रिभुवन विश्वविद्यालय, मानविकी तथा सामाजिकशास्त्र सङ्कायअन्तर्गत रत्नराज्यलक्ष्मी क्याम्पस, नेपाली शिक्षण समितिसमक्ष यो शोधपत्र प्रस्तुत गर्दछु।

त्रि.वि. क्रमाङ्क : २१४७

त्रि.वि. द.नं. : ६-१-४०-२२१७-९९

मिति :

(मुना बस्नेत)

शोधार्थी

रत्नराज्यलक्ष्मी क्याम्पस
प्रदर्शनी मार्ग, काठमाडौं

विषय सूची

परिच्छेद एक

शोधपरिचय

| | | |
|-------|----------------------|---|
| १.१ | शोधशीर्षक | १ |
| १.२ | शोधपत्रको प्रयोजन | १ |
| १.३ | विषय परिचय | १ |
| १.४ | शोधसमस्या | २ |
| १.५ | शोधपत्रको उद्देश्य | २ |
| १.६ | पूर्वकार्यको समीक्षा | ३ |
| १.७ | शोधपत्रको औचित्य | ४ |
| १.८ | शोधपत्रको सीमा | ५ |
| १.९ | शोधविधि | ५ |
| १.९.१ | सामग्री सङ्कलन | ५ |
| १.९.२ | विश्लेषण विधि | ५ |
| १.१० | शोधपत्रको रूपरेखा | ६ |

परिच्छेद दुई

रमेश विकलको जीवनी, व्यक्तित्व र साहित्यिक प्रवृत्ति

| | | |
|-------|-------------------|----|
| २.१ | रमेश विकलको जीवनी | ७ |
| २.१.१ | बाल्यकाल | ७ |
| २.१.२ | शिक्षादीक्षा | ८ |
| २.१.३ | जागिरे जीवन | ८ |
| २.१.४ | प्रेरणा र प्रभाव | ८ |
| २.१.५ | संलग्नता | ९ |
| २.१.६ | पुरस्कार र सम्मान | ९ |
| २.१.७ | देहावसान | १० |
| २.१.८ | प्रकाशित कृतिहरू | १० |

| | | |
|---------|---|----|
| २.२ | रमेश विकलको व्यक्तित्व | १३ |
| २.२.१ | आन्तरिक वा चारित्रिक व्यक्तित्व | १३ |
| २.२.२ | बाह्य शारीरिक व्यक्तित्व | १४ |
| २.२.३ | साहित्यकार र व्यक्तित्व | १४ |
| २.२.३.१ | कथाकार व्यक्तित्व | १४ |
| २.२.३.२ | उपन्यासकार व्यक्तित्व | १५ |
| २.२.३.३ | निबन्धकार व्यक्तित्व | १६ |
| २.२.३.४ | नाटक तथा एकाङ्कीकार व्यक्तित्व | १६ |
| २.२.३.५ | बालसाहित्यकार व्यक्तित्व | १७ |
| २.२.३.६ | सम्पादकीय व्यक्तित्व | १७ |
| २.२.३.७ | कवि व्यक्तित्व | १८ |
| २.३ | रमेश विकलको साहित्यिक प्रवृत्ति | १८ |
| २.३.१ | प्रगतिवादी प्रवृत्ति | १९ |
| २.३.२ | कुप्रथा, रूढि र अन्धविश्वासप्रति असहमति | १९ |
| २.३.३ | खोक्रो सामाजिक आडम्बरको विरोध | २० |
| २.३.४ | दीनहीन पात्रप्रति सहानुभूति | २० |
| २.३.५ | ग्राम्य तथा सहरी दुवै परिवेशको चित्रण | २१ |
| २.३.६ | राजनीतिक चेतनाको पृष्ठभूमिमा सामाजिक समस्याको प्रस्तुति | २१ |
| २.३.६ | सामाजिक गतिशीलतामा जोड | २२ |
| २.३.८ | निम्न सामाजिक स्तर भएका पात्रको चयन | २२ |
| २.३.९ | उच्चवर्गका मानिसहरूको पाशविक वृत्तिको पर्दाफास | २२ |
| २.३.१० | नारीपात्रको मनोविश्लेषणमा जोड | २३ |
| २.३.११ | बालमनोविज्ञानको प्रयोग | २३ |
| २.३.१२ | मनोविज्ञानको सशक्त प्रयोग | २४ |
| २.३.१३ | मिथकीय प्रयोग | २४ |
| २.३.१४ | प्राच्य एवम् समसामयिक विषयको प्रयोग गरिनु | २४ |
| २.३.१५ | सामाजिक यथार्थवादी चित्रकार | २५ |
| २.३.१६ | वैचारिक पक्षको अभिव्यक्ति | २५ |
| २.३.१७ | सुन्दर एवम् कलात्मक भाषा शैलीको प्रयोग | २६ |

परिच्छेद तीन

आधुनिक नेपाली उपन्यास परम्परा र 'सागर उर्लन्छ सगरमाथा छुन' उपन्यास

| | | |
|---------|---------------------------------------|----|
| ३.१.१ | प्राथमिक काल (वि.सं. १८२६ - १९४५) | २८ |
| ३.१.२ | माध्यमिक काल (वि.सं. १९४६-१९९०) | २८ |
| ३.१.३ | आधुनिक काल (वि.सं. १९९१ देखि हालसम्म) | ३१ |
| ३.१.३.१ | प्रथम चरण | ३२ |
| ३.१.३.२ | द्वितीय चरण | ३४ |

परिच्छेद चार

'सागर उर्लन्छ सगरमाथा छुन' उपन्यासमा प्रयुक्त परिवेश

| | | |
|-----------|---|----|
| ४.१ | परिवेशको परिचय | ३९ |
| ४.२ | सागर उर्लन्छ सगरमाथा छुन उपन्यासमा प्रयुक्त परिवेशको विश्लेषण | ४१ |
| ४.२.१ | स्थूल परिवेश | ४२ |
| ४.२.१.१ | अमेरिकाली परिवेश | ४२ |
| ४.२.१.२ | नेपाली परिवेश | ४७ |
| ४.२.१.२.१ | काठमाडौंको परिवेश | ४७ |
| ४.२.१.२.२ | ग्रामीण परिवेश | ६१ |
| ४.२.१.२.३ | समय | ६७ |
| ४.२.२ | सूक्ष्म परिवेश | ६८ |
| ४.२.२.१ | सामाजिक-सांस्कृतिक परिवेश | ६९ |
| ४.२.२.२ | राजनीतिक परिवेश | ७७ |
| ४.२.२.३ | पात्रको बौद्धिकता | ८२ |
| ४.२.२.४ | भाषा | ८५ |

परिच्छेद पाँच

उपसंहार

सन्दर्भसामग्री सूची

८८

९१